हिन्दी विभाग

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार

विभागीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

(सत्र 2019-2020, 2020-2021)

➢ **हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम (12.09.2019 से 14.09.2019)**

- **काव्य पाठ प्रतियोगिता (12.09.2019)**
- **हिन्दी भाषण प्रतियोगिता (13.09.2019)**
- **एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन (14.09.2019)**

- **'गुरु जम्भेश्वर: धर्म और दर्शन' पुस्तक एवं काव्य संग्रह 'तीन टुकड़ा सूरज' का विमोचन (14.09.2019)**

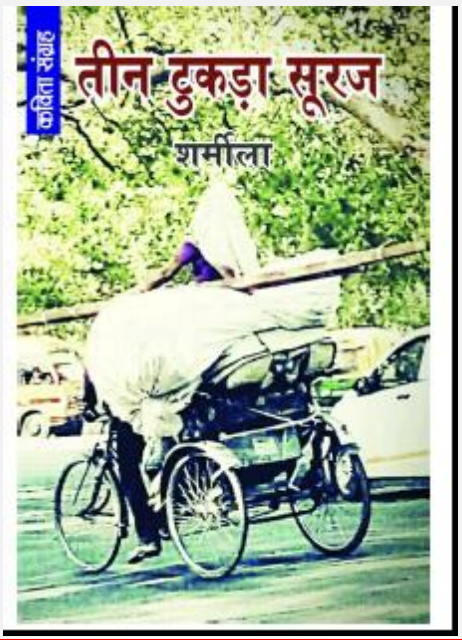

कार्यक्रम की झलकियाँ

गुजवि में हिंदी दिवस पर कार्यक्रम 12 से

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से 12 से 14 सितम्बर तक हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विभागाध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने बताया कि 12 सितम्बर को हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जबकि 13 सितम्बर को हिन्दी भाषण प्रतियोगिता व 14 सितम्बर को सेमीनार लगाया जाएगा, जिसके मुख्य वक्ता कानपुर के जाने-पाने भाषा विशेषज्ञ प्रो. देवेन्द्र गौतम होंगे।

12.09.2019

कविताएं मानव के लिए बन सकती हैं प्रेरणास्त्रोत : मनीषा

जीजेयू में विभाग की ओर से हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

हिसार | गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के हिन्दी विभाग के सौजन्य से हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर गुरुवार से शुरू हुए कार्यक्रमों की शृंखला में पहले दिन हिन्दी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने की। कार्यक्रम में हाल ही में माउंट एवरेस्ट फतेह करने वाली विश्वविद्यालय की छात्रा मनीषा पायल विशिष्ट अतिथि

जीजेयू के हिन्दी विभाग में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते छात्र।

के रूप में उपस्थित रहीं। मनीषा ने इस अवसर पर कहा कि जिद से दुनिया बदलती है। उन्होंने कहा कि कविताएं भी मानव के लिए प्रेरणा का एक स्रोत हैं। समाज में परिवर्तन लाने में कवियों का बड़ा योगदान है। प्रो. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि हिन्दी विभाग विश्वविद्यालय का नया विभाग है। यह विभाग का अपनी तरह का पहला साहित्यिक कार्यक्रम है। उन्होंने घोषणा की कि हिन्दी विभाग के सौजन्य से विश्वविद्यालय में एक साहित्यिक क्लब का गठन भी किया जाएगा, जिसकी प्रक्रिया अतिशीघ्र पूरी की जाएगी। इस अवसर पर निर्णायक दल के सदस्य डॉ. तिलक सेठी, प्रो. स्वीश गर्ग तथा डॉ. संजय तिवारी के अतिरिक्त प्रो. एमआर पात्रा तथा जनसम्पर्क विजेन्द्र दहिया ने भी रचनाएं सुनाई। कार्यक्रम में प्रो. वंदना पूनिया, डॉ. शर्मिला, डॉ. रेखा साहु व रेखा पूनिया भी उपस्थित रहे।

14.09.2019

हिंदी दिवस पर दो पुस्तकों का विमोचन

हिसार/14 सितंबर/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान व तकनीक विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आज हिंदी दिवस पर डॉ. देवेंद्र कुमार गौतम का व्याख्यान करवाया गया। इस व्याख्यान के बाद हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. किशनाराम बिश्नोई की नवप्रकाशित पुस्तक 'गुरु जम्भेश्वर- धर्म और दर्शन' व प्राध्यापिका डॉ. शर्मिला के नवीन काव्य संग्रह 'तीन टुकड़ा सूरज' का विमोचन प्रो. सुनीता श्रीवास्तव, देवेंद्र कुमार, गौतम, कमलेश भारतीय, मिहिर रंजन पात्र व बिजेंद्र कुमार दहिया ने किया। इस अवसर पर शर्मिला ने अपनी पसंदीदा कविताओं का पाठ भी किया जबकि बिजेंद्र दहिया ने संग्रह पर संक्षिप्त टिप्पणी प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुनीष सिंहमार, इंदु, पल्लवी, रेखा पूनिया, कोमल आदि मौजूद रहे।

कान, नाक व गले के रोग

कान-नाक व गले की किसी भी प्रकार की बीमारी का आधुनिक व दूरबीनी उपचार किया जाता है।

14.09.2019

(दीप प्रज्ज्वलित करते हुए प्रो॰ सुनीता श्रीवास्तव)

हिन्दी दिवस समारोह (14.09.2020)

- **ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ प्रतियोगिता एवं दोहा गायन प्रतियोगिता**

https://drive.google.com/drive/folders/0BzqPPA6Rv8sPflh5Zk1kWlJSY1FvU0M0d0ZPSnZlaGZIWlBqc3pkcmowNkpldXpCYUpMd3M?resourcekey=0-Aextt_EwIozKwqtu_3Zj7A&usp=sharing

- **वेबीनार एवं ऑनलाइन पुरस्कार वितरण समारोह**
  link: https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc

कार्यक्रम की झलकियाँ

- **सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' जयंती पर विशेष व्याख्यान का आयोजन (21.02.2021)**

  मुख्य वक्ता : प्रो॰ पूरनचंद टंडन, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

  link: https://meet.google.com/kpd-bwyo-mqx

दैनिक भास्कर

ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन: जीजेयू में सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती पर व्याख्यान

हिसार

जीजेयू के हिंदी विभाग द्वारा सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जयंती के उपलक्ष्य पर विशेष ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर मुख्य वक्ता प्रो. पूरनचंद टंरडन रहे। जो दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

डॉ. शर्मीला ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कहा कि साहित्य जगत में ये किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इन्होंने साहित्य एवं अनुवाद से संबंधित अनेक पुस्तकों का लेखन व संपादन किया है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा सन 2018 में इन्हें साहित्य भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व इन्हें अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। प्रो. पूरनचंद टंडन ने कहा कि निराला का व्यक्तित्व बड़ा ओजस्वी था। ये बहुभाषा-भाषी व्यक्तित्व के धनी थे, ये बांग्ला, संस्कृत, ब्रज और अवधी भी जानते थे। साहित्य की गद्य एवं पद्य दोनों विधाओं में इनका एक-सा अधिकार था।

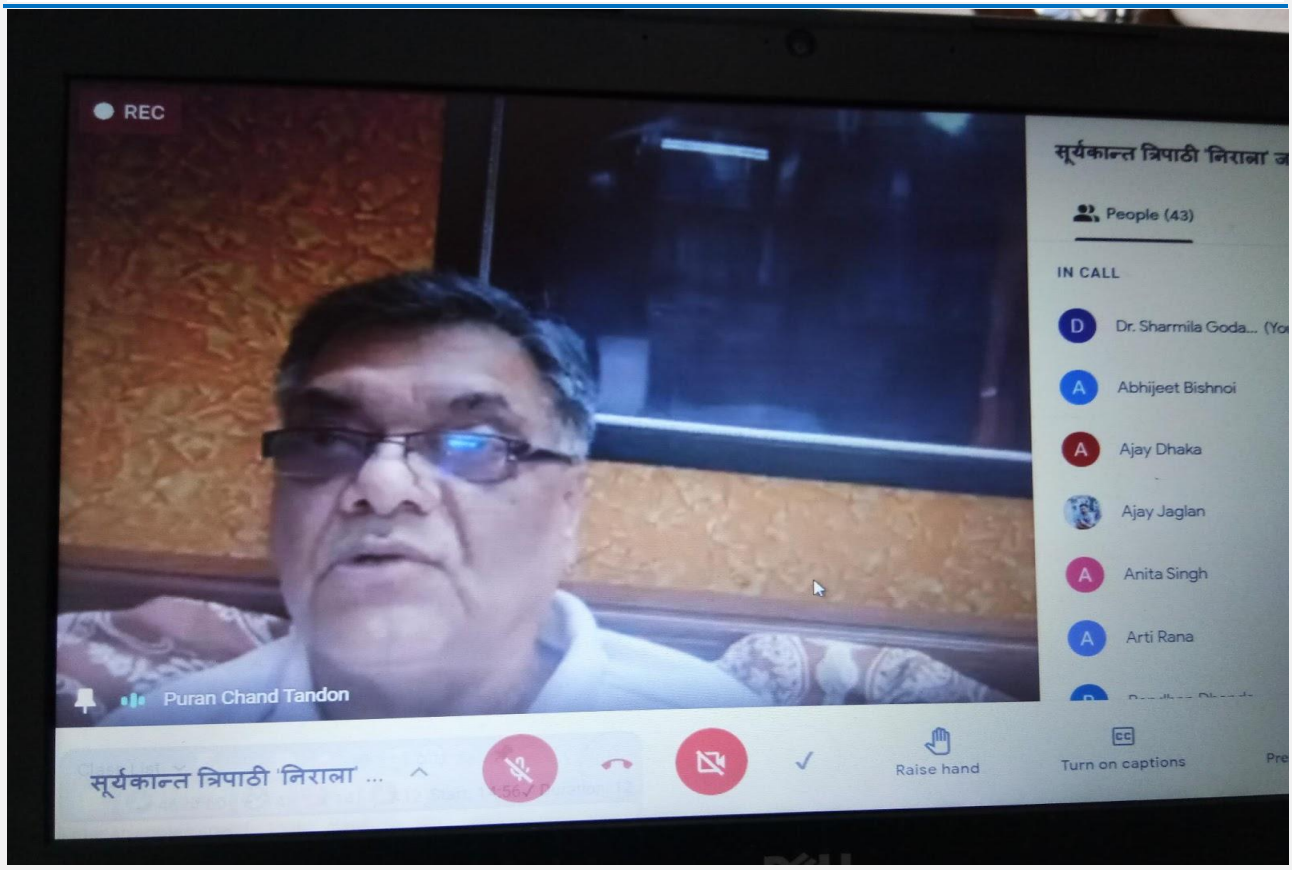

- **विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर 'जीवन और काव्य का संबंध' विषय पर काव्य-पाठ और पुस्तक विमोचन (19.03.2021)**

जीजेयू के हिंदी विभाग में काव्य पाठ व पुस्तक का हुआ विमोचन

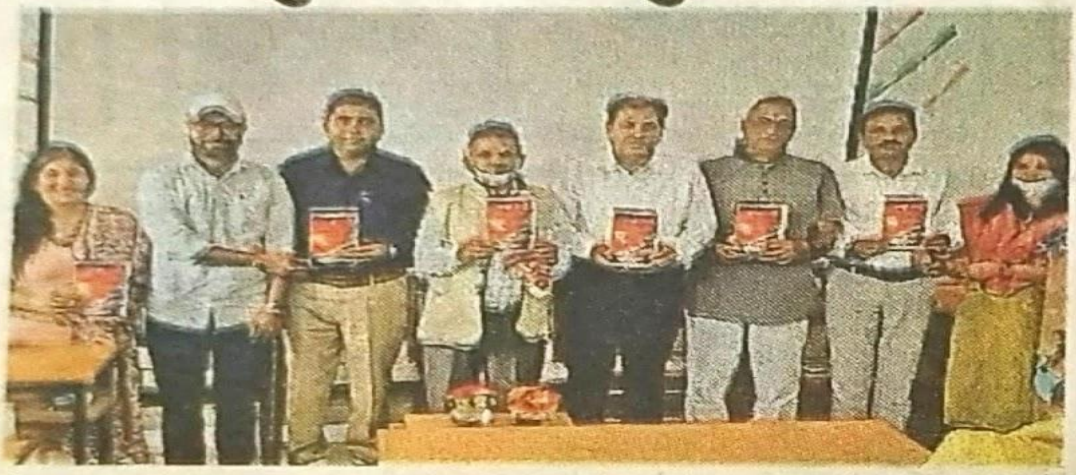

हिसार| जीजेयू के हिंदी विभाग के सौजन्य से विश्व कविता दिवस की पूर्व संध्या पर जीवन और काव्य का संबंध विषय पर काव्य-पाठ और पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम हुआ। डीन ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन प्रो. विनोद छोकर कार्यक्रम के मुख्यातिथि थे। उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. नरेंद्र चौहान व शैक्षिक महासंघ हरियाणा के अध्यक्ष प्रो. दया सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. किशनाराम ने की। इस मौके पर डॉ. गीतू धवन, डॉ. शर्मीला, कल्पना, हिंदी इंस्ट्रक्टर संतोष, शोधकर्ता बबीता मौजूद रहे। सहायक प्रो. बंसीलाल ने धन्यवाद प्रस्ताव किया।

- **हिन्दी पत्रकारिता दिवस पर वेब व्याख्यान का आयोजन (30.05.2021)**

विषय : “हिन्दी पत्रकारिता का भाषायी दायित्व”

[link: https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc](https://meet.google.com/bpy-ynod-gxc)

हिंदी पत्रकारिता ने भाषा को सशक्त किया : प्रो टंकेश्वर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सौजन्य से हिंदी पत्रकारिता का भाषायी दायित्व विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार वेबिनार के मुख्यातिथि थे। लाल हिन्दू महाविद्यालय रोहतक के पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक बत्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि पत्रकारिता को शीर्ष पर ले जाने में हिंदी भाषा का अहम योगदान रहा है। हिन्दी ने ही पत्रकारिता की भाषा को सशक्त बनाया है। पत्रकारों को इस दिवस पर यह संकल्प लेना होगा कि वह हिन्दी भाषा के शब्दों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें, ताकि समाज को अपनी मातृभाषा का सही लाभ मिल सके। डॉ. बत्रा ने अपने कहा कि पत्रकारिता का यह दायित्व है कि वह लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य करे और समाज की समस्याओं को प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि हिन्दी शिक्षकों का यह दायित्व है कि वह भाषा को शुद्ध रूप में विद्यार्थियों तक ले कर जाएं। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो किशना राम बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी को भाषा पर पकड़ बनाने के लिए साहित्य का अध्ययन अवश्य करें। इस मौके पर डॉ बंसी लाल, डॉ गीतू धवन, डॉ शर्मिला, कल्पना आदि उपस्थित रहे।

हिंदी पत्रकारिता ने भाषा को सशक्त किया–प्रो टंकेश्वर कुमार

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 3 जून : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के हिन्दी विभाग के सौजन्य से हिंदी पत्रकारिता का भाषायी दायित्व विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। विश्विद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार वेबिनार के मुख्यातिथि थे। लाल हिन्दू महाविद्यालय रोहतक के पूर्व प्राचार्य डॉ. अशोक बत्रा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर अपने सम्बोधन में कहा कि पत्रकारिता को शीर्ष पर ले जाने में हिंदी भाषा का अहम योगदान रहा है। हिन्दी ने ही पत्रकारिता की भाषा को सशक्त बनाया है। पत्रकारों को इस दिवस पर यह संकल्प लेना होगा कि वह हिन्दी भाषा के शब्दों को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दें। ताकि समाज को अपनी मातृभाषा का सही लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि मीडिया समाज में सकारात्मक भूमिका अदा करके राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान दे सकता है क्योंकि पाठक और दर्शक जैसी भाषा मीडिया के माध्यम से सीखते हैं उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वह अच्छी भाषा सीखकर पत्रकारिता के क्षेत्र में जाएं क्योंकि समाज में हम जैसी भाषा का प्रयोग करेंगे उसी प्रकार से समाज की रचना हम सब को देखने के लिये मिलेगी। डॉ. बत्रा ने अपने कहा कि पत्रकारिता का यह दायित्व है कि वह लोकतंत्र को मजबूत करने का कार्य करे और समाज की समस्याओं को प्रकाशित करें। उन्होंने कहा कि हिंदी शिक्षकों का यह दायित्व है कि वह भाषा को शुद्ध रूप में विद्यार्थियों तक ले कर जाए और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाए। मातृभाषा के प्रति समर्पित हो क्योंकि आज दुनिया मे जितने भी देश अव्वल स्थान पर है तो वह मातृभाषा के कारण है। उनका सब कामकाज मातृभाषा में होता है। हमें पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी मूल भाषा को बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारों को हिंदी समाचार पत्र-पत्रिकाओं में हिंदी भाषा के ही शब्दों का प्रचलन बढ़ाना चाहिए। यह हमारा भाषा के प्रति असली दायित्व है क्योंकि भाषा से ही किसी देश की संस्कृति पहचानी जाती है। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो किशना राम बिश्नोई ने कहा कि विद्यार्थी को भाषा पर पकड़ बनाने के लिए साहित्य का अध्ययन अवश्य करें क्योंकि साहित्य और भाषा का अटूट सम्बन्ध रहा है। विद्यार्थी हर रोज़ निरन्तर साहित्य को अपने जीवन का हिस्सा बनाये। इस मौके पर इस वेब व्याख्यान में विभाग के शिक्षक डॉ. बंसी लाल, डॉ. गीतू धवन, डॉ. शर्मिला, कल्पना, कोमल, सुमन, संतोष, सुनीता, जतिन, हिमांशु सहित सैंकड़ो विद्यार्थी और अन्य विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

➢ **संत कबीर दास जयंती के उपलक्ष्य पर वेबीनार का आयोजन**

(24.06.2021)

विषय : "वर्तमान सन्दर्भ में संत कबीरदास वाणी की प्रासंगिकता"

https://tel.meet/ccw-nedk-tdo

संत कबीर की वाणी से शीतलता आती है–प्रो. टंकेश्वर कुमार

[illegible]

कबीर की वाणी में जो साहस और निर्भीकता है वह और किसी में नहीं है। आज हम वैश्विक महामारी से गुजर रहे हैं। उसका समाधान कबीर की वाणी में बड़े सरल शब्दों में दिया गया है। इस अवसर पर अधिष्ठाता मानविकी और समाज विज्ञान संकाय के प्रो. एन.के. बिश्नोई ने संत कबीर को मानवता का सच्चा प्रहरी बताया। उन्होंने कहा कि मध्यकाल में जब भक्ति आंदोलन भारत पर था तो उस समय यूरोप में पुनर्जागरण का काल चल रहा था। भारत और यूरोप के समाज में निरंतर परिवर्तन हो रहा था। भारत में इसका आगाज संत कबीर और गुरु जम्भेश्वर के समकालीन संतों ने किया। इस मौके पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि मध्यकाल में संत कबीर दास ने अन्याय और पाखंड के खिलाफ जो अलख जगाई, उसका असर आज भी है। उन्होंने कहा कि संत कबीर को समझना पूरे ब्रह्मांड को समझने जैसा है। संत कबीर भक्तिकाल के ऐसे चमकते सितारे थे, जिन्होंने पूरे संसार में अपनी रोशनी फैलाई। इसलिए युगों-युगों तक कबीर की छाया हिन्दी साहित्य को प्रेरित करती रहेगी। इस मौके पर हिन्दी विभाग के प्रभारी डा. बंसीलाल, प्रो. मनोज दयाल, डा. गीतु धवन, डा. शर्मीला, संजीव माथुर, कल्पना, कोमल, इंदराज भारती, संतोष, सुमन, सुनीता, रवि बिरला, मोनिका सहित सभी उपस्थित रहे।

संत कबीर जयंती पर जीजेयू में लगाई त्रिवेणी

संत कबीर ब्रिगेड के सदस्यों ने संत के विचारों के बारे में बताया

[illegible]

[illegible] सामाजिक भाईचारे की मिसाल पेश की थी। वहीं जीजेयू में त्रिवेणी लगाकर संत कबीर जयंती पर संगठन ने पौधारोपण अभियान की शुरुआत की है। इस अवसर पर [illegible] आदि मौजूद रहे।

इधर, कबीर छात्रावास में भी जंयती मनाई

हिसार। संत कबीर के दिखाए मार्ग पर चलें और उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना चाहिए। यह बा[त] विधानसभा में डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा ने कही। व[े] गुरुवार को आजाद नगर स्थित कबीर छात्रावास में कबी[र] जंयती पर अपना संबोधन दे रहे थे। उपायुक्त डॉ. प्रियं[का] सोनी और राज्यमंत्री अनूप धानक ने भी अपना संबोध[न] दिया। इस अवसर पर जगदीश सिंह, डीडब्ल्यूओ [illegible] रानी, संस्था के प्रधान रोशन लाल, संरक्षक जोगीरा[म] खुंडिया, रतन कुमार बड़गुजर, कैप्टन तुलाराम, [illegible] सिंह मुरलिया, राजबीर छटक मौजूद थे।

संत कबीर की वाणी से शीतलता आती है : प्रो. टंकेश्वर

संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे प्रो. टंकेश्वर कुमार

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा है कि संत कबीर की वाणी में शीतलता भरी पड़ी है। प्रो. टंकेश्वर कुमार हिन्दी विभाग द्वारा संत कबीर दास जयंती पर आयोजित वेबिनार को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कबीर दास ऐसे संत थे, जिन्होंने उस समय की कुरीतियों के खिलाफ समाज को जगाने का कार्य किया। इसलिए उस समय के पाखंड को उजागर करने में उनकी अहम भूमिका है। कबीर दास संत होने के साथ-साथ उच्चकोटि के समाज सुधारक थे। उन्होंने कहा कि आज भी कबीर दास की वाणी की प्रासंगिकता है।

वेबिनार में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए बनारस के प्रो. राम सुधार सिंह ने कहा कि संत कबीर प्रगतिशील समाज सुधारक हैं। उन्होंने अध्यात्म के रस को जीवन रस में बांटकर पूरी भारतीय परम्परा को एक नई शक्ति प्रदान की। उन्होंने मानव को मानव से जोड़ने का काम किया और उस समय के धर्माचार्यों को पाखंड से दूर रहने की सलाह दी।

डॉ. राम सुधार सिंह ने कहा कि कबीर को समग्र रूप में नहीं देखना हमारी भूल है। इसी संदर्भ में रवींद्रनाथ टैगोर ने कबीर को अद्भुत व्यक्तित्व का स्वामी स्वीकार किया है। अपनी पुस्तक गीतांजलि में कबीर को उच्चकोटि का समाज सुधारक बताया है। कबीर की वाणी में जो साहस और निर्भीकता है वह और किसी में नहीं है। इस अवसर पर अधिष्ठाता मानविकी और समाज विज्ञान संकाय के प्रो. एन.के. बिश्नोई ने संत कबीर को मानवता का सच्चा प्रहरी बताया।

इस मौके पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्नोई ने कहा कि मध्यकाल में संत कबीर दास ने अन्याय और पाखंड के खिलाफ जो अलख जगाई, उसका असर आज भी है। उन्होंने कहा कि संत कबीर को समझना पूरे ब्रह्मांड को समझने जैसा है। संत कबीर भक्तिकाल के ऐसे चमकते सितारे थे, जिन्होंने पूरे संसार में अपनी रोशनी फैलाई। इसलिए युगों-युगों तक कबीर की छाया हिन्दी साहित्य को प्रेरित करती रहेगी। इस मौके पर हिन्दी विभाग के प्रभारी डा. बंसीलाल, प्रो. मनोज दयाल, डॉ. गीतु धवन, डॉ. शर्मीला, संजीव माथुर, कल्पना, कोमल, इंद्राज भारती, संतोष, सुमन, सुनीता, रवि बिरला, मोनिका सहित सभी उपस्थित रहे।

➢ **हिंदी साहित्य और यशपाल का योगदान (03.12.2021)**

(यशपाल की कहानियों एवं उपन्यासों के अंशों का पाठ)

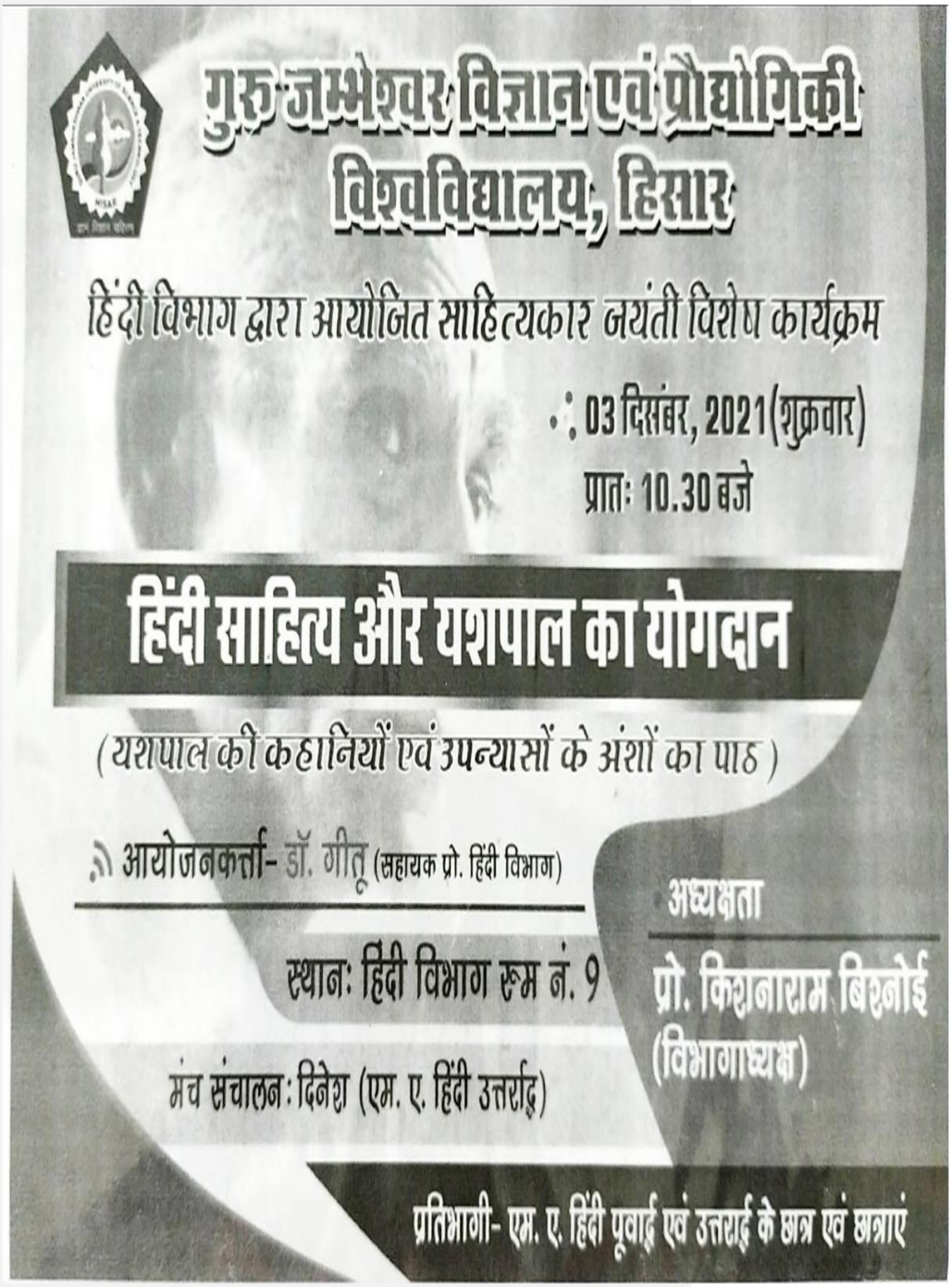

कहानीकार की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग ने प्रसिद्ध कहानीकार यशपाल की जयंती पर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया।

इसमें हिंदी विभाग के प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने यशपाल की कहानियों एवं उपन्यासों का पाठ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डा. किशनाराम बिश्नोई व प्रो. डी. गीतू धवन भुटानी ने आयोजन किया। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क उपनिदेशक बिजेन्द्र दहिया विशेषतौर पर मौजूद रहे। एमए के छात्र शिवा ने परदा कहानी का पाठ किया। अनु ने बाल विवाह पर आधारित फूलों का कुरता कहाना सुनाई।

- **गीता श्लोकोचारण प्रतियोगिता (20.12.2021)**

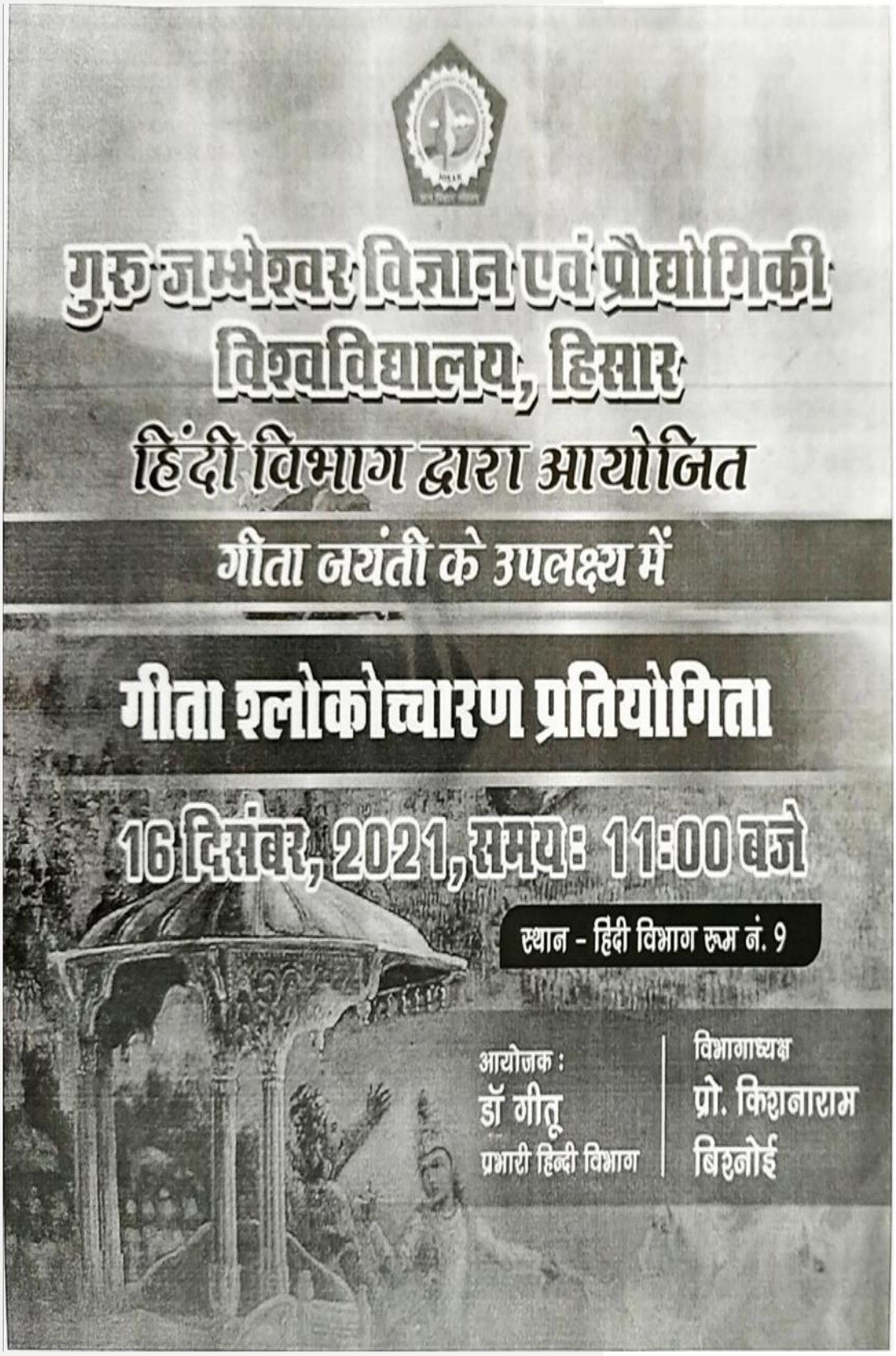

गीता श्लोकोचारण में दिनेश प्रथम

हिसार/20 दिसंबर/रिपोर्टर

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में गीता जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में गीता श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ गीतू धवन भुटानी की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम में विभाग के हिंदी स्नातकोत्तर पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध के विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का पाठ करते हुए उनके सरल अर्थ को भी समझाया। कार्यक्रम में एमए पूर्वार्द्ध से अनु, शिवा, मंजू, रिंकू, अंजू, रितुल ने गीता को वर्तमान परिस्थितियों में संजीवनी के समान बताया। व्यक्ति के जीवन में कर्म, आसक्ति, ज्ञान, मोक्ष को व्याख्यायित करते हुए गीता के श्लोकों को आत्मसात किया। मंच संचालन एमए उत्तरार्द्ध के विद्यार्थी दिनेश ने किया। इस प्रतियोगिता में दिनेश ने प्रथम, अनु ने द्वितीय और रिंकू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।